AFFILIATED INSTITUTIONS, PONDICHERRY UNIVERSITY

REGUALTIONS
PG PROGRAMME IN M.A (HINDI) DEGREE COURSE
(The revised syllabus shall be effective from the Academic Year 2020-21 onwards.)

DURATION OF THE PROGRAMME

Prescribed Postgraduate studies in M.A. Hindi shall be of four consecutive semesters (Two years). The maximum duration allowed for each student to acquire prescribed number of credits in order to complete the programme of study shall be Four consecutive semesters (Two years)

ELIGIBILITY FOR ADMISSION

Students who have passed their Bachelor's degree in Hindi with a minimum of 50% of marks or any degree with Hindi as a subject of study under part I/II or pass in any recognized degree awarded by the voluntrary Hindi Organizations recognized by the Govt. of India.

MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction for all the courses shall be Hindi, however few Soft Core courses are offered in English medium too.

PATTERN OF EXAMINATION

- The end Semester examination for the course shall be conducted by the Department of Hindi, Pondicherry University for a maximum of 60 marks and Internal Assessment for 40 marks.
- The internal assessment marks shall be given as per the following breakup:
  - internal assessment tests /Term papers/Quizzes (Minimum two) = 2 x 15 = 30
  - Seminars/Assignments/Case Demos/Presentations/Write Ups/Viva, etc. = 1 x 10 =10
  - Total Internal Assessment = 40 marks
- No student who has less than 70% attendance in any course shall be permitted to attend the end Semester examination and he/she shall be given grade of FA-failure due to lack of attendance. He/She shall be required to repeat that course.
- To pass a course the student must secure
  a) A minimum of 40% marks in End Semester exam, and
  b) A minimum of 50% marks in aggregate when Internal Assessment and End-Semester marks are added

SUPPLEMENTARY EXAMINATION

- A failed student who meets the attendance requirement and has a minimum of 40% in internal assessment mark may be permitted to register for the next end-semester examination in the following semester itself or in any semester of his/her choice.
- Students who have failed due to insufficient attendance and /or less than 40% Internal Assessment marks should repeat the course as and when offered.

QUESTION PAPER PATTERN (Total 60 Marks)

Poetry Papers		Prose Papers	
1.	व्याख्याएँ	1.	आलोचनात्मक प्रश्न
	6 में से 3 – 3 x 5 अंक = 15 अंक		8 में से 4 – 4 x 10 अंक = 40 अंक
2.	आलोचनात्मक प्रश्न	2.	लघूत्तरी प्रश्न
	4 में से 2 – 2 x 10 अंक = 20 अंक		8 में से 5 – 5 x 3 अंक = 15 अंक
3.	लघूत्तरी प्रश्न	3.	बहु विकल्प प्रश्न
	8 में से 5 – 5 x 4 अंक = 20 अंक		½ x 10 अंक = 5 अंक
4.	बहु विकल्प प्रश्न		
	½ x 10 अंक = 5 अंक		
	कुल - 60 अंक		**कुल – 60 अंक**

SCHEME OF EXTERNAL EXAMINATION
(Theory Paper)
Duration of Exam : 3 hours
Total marks : 60 Marks

Typical Course Design (For 72 Credits)
Post Graduate BOS in consultation with the faculty working PG Departmetn of affiliated colleges may design Course Structure as follows

PG Programme
Total Hard Core = 48 Credits
Total Sofre Core = 24 Credits
Total = 72 Credits

I Semester	II Semester	III Semester	IV Semester
Hard Core - 18 Credits Soft Core – 2 Credits (Lab/Field Stduies/ Viva, etc.)	Hard Core - 18 Credits Soft Core – 2 Credits (Lab/Field Stduies/ Viva, etc.)	Hard Core - 6 Credits Soft Core – 10 Credits (Elective Stream)	Hard Core - 6 Credits Soft Core – 10 Credits (Elective Stream)

PG Level Course Structure this contains a minimum of

1. **14 Hard Core Subjects = 48 Credits**
2. **06 Soft Core Subjects (Theory) = 12 Credits**
3. **06 (Lab/Project Works/Field Stduies/ Viva, etc.) = 12 Credits**

(For other applicable Rules and Regulations kindly refer the Choice Based Credit System Guidelines for PG Programmes in Arts, Science and Commerce of Pondicherry University)

M.A. HINDI
COURSE STRUCTURE (2020-21)

Paper	*Course Title*	*Credits*
I Semester		
HIND 411	आधुनिक हिंदी काव्य – I (छायावाद तक)	4 Credits
HIND 412	आधुनिक गद्य साहित्य – I (नाटक निबंध एवं चरितात्मक)	4 Credits
HIND 413	हिंदी साहित्य का इतिहास – I (रीतिकाल तक)	4 Credits
HIND 414	हिंदी भाषा	4 Credits
HIND 415	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य -I	2 Credits
	Softe Core Course (Labs/Field Studies/Viva, etc.)	2 Credits
	Total	**20 Credits**
II Semester		
HIND 421	आधुनिक हिंदी काव्य - II (छायावादोत्तर)	4 Credits
HIND 422	आधुनिक गद्य साहित्य-II (उपन्यास और कहानी)	4 Credits
HIND 423	हिंदी साहित्य का इतिहास - II (आधुनिक काल)	4 Credits
HIND 424	भाषा विज्ञान	4 Credits
HIND 425	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य -II	2 Credits
	Softe Core Course (Labs/Field Studies/Viva, etc.)	2 Credits
	Total	**20 Credits**
III Semester		
HIND 531	भारतीय काव्यशास्त्र	4 Credits
HIND 532	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य -III	2 Credits
	Softe Core Course (Elective Stream)	10 Credits
	Total	**16 Credits**
IV Semester		
HIND 541	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4 Credits
HIND 542	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य -IV	2 Credits
	Softe Core Course (Elective Stream)	10 Credits
	Total	**16 Credits**

I Semester

4 Credits

हिंदी 411- आधुनिक हिंदी काव्य – I (छायावाद तक)

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन हेतु निम्नलिखित कवियों का अध्ययन

1.भारतेंदु हरिश्चंद्र – भारत दुर्दशा,
2.मैथिलीशरण गुप्त - 'साकेत' (नवमसर्ग)
3. जयशंकर प्रसाद - 'कामायनी' (श्रद्धा सर्ग)
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - 'राम की शक्ति पूजा',
5. महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुख की बदली, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल
6. सुमित्रानंदन पंत –नौका विहार

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित चार कवियों पर लघुत्तरी / अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. श्रीधरपाठक 2. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध
3. रामनरेश त्रिपाठी 4. रामकुमार वर्मा

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

साकेत :

- कुछ पुनर्विचार, सूर्यप्रसाद दीक्षित, भारत प्रकाशन मन्दिर अलीगढ़
- कामायनी का रचना संसार, प्रेमशंकर, भारती भण्डार इलाहाबाद
- क्रांतिकारी कवि निराला, बच्चनसिंह, हिंदी प्रचारक, वाराणसी
- आधुनिक कवि निराला, रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कामायनी अनुशीलन, रामलाल सिंह, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- छायावाद के आधार स्तम्भ, गंगाप्रसाद पाण्डेय, लिपि प्रकाशन दिल्ली
- छायावाद, नामवरसिंह, राजकमल प्रकाश

I Semester	4 Credits

हिंदी 412 - आधुनिक गद्य साहित्य – I (नाटक, निबंध एवं चरितात्मक)

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित

- **नाटक**
  1. स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद
- **निबन्ध**

  'निबंध-निकेत' – (सं) डॉ. विश्वनाथ प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, पुस्तक में से निम्नलिखित 6 निबंध
  1. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
  2. कछुआधर्म – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
  3. श्रद्धा भक्ति - आचार्य रामचन्द्रशुक्ल
  4. देवदारु - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

चरितात्मक कृति

1. 'पथ के साथी' - महादेवी वर्मा

पाठ : मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, निराला, प्रसाद और पंत पर लिखे गए संस्मरण मात्र

द्रुतपाठ/लघूत्तरी/अति लघूत्तरी हेतु

नाटककार : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, लक्ष्मीनारायण मिश्र, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, 'आधे-अधूरे' – मोहन राकेश

निबंधकार : बालकृष्ण भट्ट , शिवपूजन सहाय, डॉ. नगेन्द्र, हरिशंकर परसाई, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- हिंदी नाटक उद्भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस दिल्ली
- हिंदी नाटक : सिद्धान्त और विवेचन - डॉ. गिरीश रस्तोगी, ग्रन्थम प्रकाशन, रामबाग कानपुर
- प्रसाद : नाट्य और रंगशिल्प, गोविन्द चातक, आत्माराम एण्ड संस दिल्ली
- प्रसाद के नाटक, डॉ. सिद्धनाथ कुमार, दि मैकमिलन कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड दिल्ली
- मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास तत्त्व - डॉ. धनजय, रचना प्रकाशन इलाहाबाद
- आधुनिक नाटकों का मसीहा : मोहन राकेश - डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी निबन्ध का विकास - डॉ. ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन कानपुर
- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (त्रायोदश भाग) सम्पा. लक्ष्मीनारायण सधांशु नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
- महादेवी का गद्य साहित्य - डॉ. शैलजा सिन्हा सिंडीकेट पब्लिकेशंस पटना

I Semester	4 Credits

हिंदी 413 - हिंदी साहित्य का इतिहास - I (रीतिकाल तक)

पाठ्य विषय

- इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
- हिंदी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन, सीमानिर्धारण और नामकरण
- हिंदी साहित्य के आदिकाल की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ
- पूर्वमध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतीहासिक पृष्टभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ और उनका वैशिष्ट्य
- प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान
- भारत में सूफीमत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रन्थ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व
- राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य । भक्तिकालीन गद्य साहित्य
- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षणग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ। रीतिकालीन गद्य साहित्य

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- ❖ साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थम प्रकाशन कानपुर
- ❖ किशोरीलाल गुप्त, हिंदी साहित्य के इतिहासों का इतिहास, विभु प्रकाशन साहिबाबाद
- ❖ हिंदी साहित्य का इतिहास :आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
- ❖ हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ हिंदी साहित्य का इतिहास सम्पा. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- ❖ हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त (भाग-1) लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- ❖ हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल अग्रवाल प्रकाशन, इलाहाबाद
- ❖ रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
- ❖ हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल, महेन्द्रकुमार, आर्यबुक डिपो दिल्ली

I Semester | **4 Credits**

हिंदी 414 - हिंदी भाषा

पाठ्य विषय

- हिंदी की ऐतिहासिक पृष्टभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
- मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ - पालि, प्राकृत - शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएँ
- हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, पहाड़ी तथा बिहारी और उनकी बोलियों की विशेषतायें
- हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी की स्वनिम व्यवस्था-खंड्य, संडयेतर । हिंदी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रुप रचना - लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था के सन्दर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप । हिंदी वाक्य-रचना : पदक्रम और अन्विति
- हिंदी के विविधरूप : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा रूप में हिंदी । हिंदी की सांविधानिक स्थिति, हिंदी का अन्तरराष्ट्रीय सन्दर्भ ।
- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, त्रृटियाँ और सुधार

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद
- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, डॉ. उदयनारायण तिवारी, भारतीभण्डार, इलाहाबाद
- भाषा विवेचन, भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
- भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्रा, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
- भाषा स्वरूप और संरचना, हेमचन्द्र पाण्डेय, ग्रन्थलोक प्रकाशन दिल्ली
- भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल इलाहाबाद
- हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- भाषाविज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वारणासी
- भाषा शास्त्र की रुपरेखा, उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार इलाहाबाद
- भारतीय आर्यभाषाएँ और हिंदी, जुनिति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- नागरी लिपि उद्भव और विकास, डॉ. ओमप्रकाश आर्यबुक डिपो दिल्ली
- हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि, धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद
- हिंदी का वैश्विक परिदृश्य, डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपुर

I Semester

2 Credits

हिंदी 415 - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य -I

पाठ्य विषय

1. 'कबीर' - सम्पा. हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नेताजी सुभाषमार्ग नई दिल्ली 2
पद संख्या 1, 22, 27, 33, 35, 36, 39, 41, 43, 52, 61, 63 से 66, 69, 74, 88, 130, 134, 153, 156, 157, 160, 162, 163, 175 से 179, 181, 183, 191, 200, 201, 202, 213, 217, 220, 222, 224, 234, 237, 241, 245, 247, 250, 251, 254 (कुल 50 पद)

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित चार कवियों पर लघुत्तरी/ अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. चन्दबरदाई
2. अमीर खुसरो

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली-2
- कबीर सम्पा. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
- कबीर मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणासी
- संत कबीर और उनका दर्शन, रामाश्रयदास, ब्रह्नचारी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
- हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

II Semester

4 Credits

हिंदी 421 - आधुनिक हिंदी काव्य - II (छायावादोत्तर)

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित

1. हरिवंशराय बच्चन –मुझे पुकार ले, नीड़ का निर्माण ।
2. रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी (तृतीय अंक) ।
3. स.ह.वात्स्यायन अज्ञेय – नदी के द्वीप, असाध्य वीणा ।
4. नागार्जुन - प्रेत का बयान, तीनों बंदर बापू के, बहुत दिनों के बाद ।
5. गजानन माधव मुक्तिबोध – अंधेरे में ।
6. धूमिल – पटकथा ।

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित चार कवियों पर लघुत्तरी / अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. गिरिजाकुमार माथुर 2. नरेश मेहता
3. धर्मवीर भारती
4. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

ऽ दिनकर : डॉ. सावित्री सिन्हा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
ऽ दिनकर : एक पुर्नमूल्यांकन डॉ. विजेयन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
ऽ दिनकर की उर्वशी, राजनारायण राय, कैपिटल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
ऽ अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली
ऽ मुक्तिबोध : एक अवधूत कविता - श्री नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
ऽ आद्यबिम्ब और मुक्तिबोध की कविता - कृष्णमुरारी मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
ऽ अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन, चंद्रकान्त वांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस, दिल्ली
ऽ नयी कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
ऽ कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
ऽ समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
ऽ छायावादोत्तर काव्य, डॉ. सिद्धेश्वर प्रसाद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
ऽ नयी कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ, गिरिजाकुमार माथुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

II Semester | **4 Credits**

हिंदी 422 - आधुनिक गद्य साहित्य - II (उपन्यास और कहानी)

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित

उपन्यास

1. गोदान - प्रेमचन्द

कहानी

'कहानी विविधा' सम्पा डॉ. देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली

व्याख्य एवं विवेचन के लिए

1. ईदगाह - प्रेमचन्द
2. मधुआ - जयशंकर प्रसाद
3. आर्द्रा - मोहन राकेश
4. वापसी - उषा प्रियंवदा

विवेचन के लिए

1. उसने कहा था - चन्द्रधरशर्मा गुलेरी
2. करवा का व्रत - यशपाल
3. शरणागत - अज्ञेय

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित पाँच उपन्यासकार एवं 5 कहानीकार जिनसे लघुत्तरी/ अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

उपन्यासकार : अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, अमृतलाल नागर, मन्नू भण्डारी, श्री लाल शुक्ल

कहानीकार : जैनेन्द्र कुमार, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, ज्ञानरंजन

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- प्रेमचन्द और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्पविधान, कमलकिशोर गोयनका, सरस्वती प्रेस दिल्ली
- आधुनिक हिंदी उपन्यास सम्पा. भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी उपन्यास, सुरेश सिन्हा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- कहानी :स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
- कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेशसिन्हा, अशोक प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी कहानी की शिल्प विधि का विकास, लक्ष्मीनारायण लाल साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हिंदी कहानी का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का शिल्प विधान, डा.पी.वी.कोटमें, अमन प्रकाशन कानपुर

II Semester

4 Credits

हिंदी 423 - हिंदी साहित्य का इतिहास - II (आधुनिक काल)

पाठ्य विषय

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशषताएँ
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
- छायावाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
- उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता - प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
- हिंदी गद्य का विकास - ईसाई मिशनरियों फोर्ट विलियम कालेज तथा आर्य समाज की भूमिका
- हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, एकांकी, नाटक, निबंध, रेखाचित्रा, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, यात्रावृतान्त) का विकास
- हिंदी आलोचना का विकास और प्रवृत्तियाँ
- हिंदीतर क्षेत्रों और विदेशों में हिंदी भाषा और साहित्य

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- हिंदी साहित्य :उद्भव और विकास, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास सम्पा. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त (भाग-1) लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल अग्रवाल प्रकाशन, इलाहाबाद
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
- बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य, विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
- आधुनिक हिंदी कालजयी साहित्य - अर्जुन चौहान, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी

II Semester

4 Credits

हिंदी 424 - भाषा विज्ञान

पाठ्य विषय

- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य ।
- भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक
- स्वन प्रक्रिया : स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन । स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद ।
- रूपविज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रुपिम की अवधारणा, भेद और प्रकार्य ।
- वाक्य विज्ञान :वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद और वाक्य विश्लेषण
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
- साहित्य और भाषा विज्ञान : साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद
- भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल इलाहाबाद
- भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- भाषा विवेचन, भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञानःसिद्धान्त और व्यवहार, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
- भाषा विज्ञान कोश-भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल प्रकाशन वाराणासी

II Semester | **2 Credits**

हिंदी 425 - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य –II

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन हेतु निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन

1. 'विद्यापति' - सम्पा. डॉ. शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन महात्मागांधी मार्ग इलाहाबाद - 1
पद संख्या 1, 2, 5, 6, 8 से 16,18, 22, 29, 34, 43, 44, 57, 58, 62, 78, 83 और 95 ;कुल 25 पद
2. 'जायसी ग्रन्थावली' - सम्पा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
    1. नागमति वियोग खण्ड

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित चार कवियों पर लघुत्तरी/ अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. रैदास
2. मीराबाई

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली-2
- विद्यापति : सौदंर्य के कवि, बुद्धिनाथ झा, ज्ञानभारती रुपनगर दिल्ली-7
- जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन, डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर
- मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य, शिवसहाय पाठक, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- जायसीः एक नव्यबोध, अमर बहादुर सिंह, अमरेश साहित्य कुटीर लखनऊ
- हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

III Semester

4 Credits

हिंदी 531 - भारतीय काव्यशास्त्र

पाठ्य विषय

खण्ड : क संस्कृत काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार
- रससिद्धान्त : रस का स्वरूप, रसनिष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण सहृदय की अवधारणा
- अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण
- रीतिसिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति-सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनायें
- वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
- ध्वनिसिद्धान्त : ध्वनि स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद
- औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

खण्डःख हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- भारतीय काव्यशास्त्र (भाग 1 और भाग 2) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- काव्यशास्त्रा, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
- काव्यदर्पण, रामदहिन मिश्र, साहित्य भवन इलाहाबाद
- भारतीय काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन दिल्ली
- भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
- भारतीय काव्य-चिन्तन, शोभाकान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन पटना
- आलोचक और आलोचना, बच्चनसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
- भारतीय साहित्यशास्त्र, गणेश त्रयबंक देशपाण्डे, पापुला बुक डिपो बम्बई
- नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ, सम्पां. उदयभानुसिंह, नेशनल पब्लिशिंगहाउस दिल्ली

III Semester

4 Credits

हिंदी 532– प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य - III

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन हेतु निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन

सूरदास : 'सूरपंचरत्न' सम्पा. लाला भगवानदीन, प्रकाशक रामनारायण लाल बेनी माधव प्रकाशन तथा पुस्तक विक्रिता 2 कटरा रोड इलाहाबाद- 2

विनय - पद संख्या 6 से 15

बालकृष्ण - पद संख्या 9, 14,22,24,31, 36, 40, 48, 49, 50,99,104, 109,113 और 117

रुपमाधुरी - पद संख्या – 1,2, 9,10 और 28

मुरली माधुरी - पद संख्या 28 से 32

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित पाँच कवियों पर लघुत्तरी / अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. रहीम
2. रसखान

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- सूरदास, ब्रजेश्वर वर्मा, हिंदी परिषद प्रयाग विश्वविद्यालय प्रयाग
- सूर और उनका साहित्य, हरबंशलाल वर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़
- विद्यापति, सूर बिहारी का काव्य सौदंर्य, शरद कणबरकर, चिन्तन प्रकाशन पशुपति नगर, कानपुर
- हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

IV Semester

4 Credits

हिंदी 541 - पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्य विषय

- प्लेटो - काव्यसिद्धान्त
- अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
- ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
- वर्डसवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धान्त
- कॉलरिज : कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना
- मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- टी.एस.इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य
- आई.ए.रिचर्डस : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना
- सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद
- आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृतियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग, हाउस
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
- पाश्चात्य समीक्षा, केसरी नारायण शुक्ल, नंदकिशोर एण्ड संन्स, वाराणासी
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र, रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यचिंतन - करुणा शंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त, लीलाधर गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
- पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, निर्मला जैन, राधावृठ्ठष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य सिद्धान्त, रेनेवेलेक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ, सम्पा. उदयभानु सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- आलोचक और आलोचना, डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

IV Semester

2 Credits

हिंदी 542– प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य - IV

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचन हेतु निम्नलिखित तीन कवियों का अध्ययन

तुलसीदास - 'रामचरितमानस', गीता प्रेस गोरखपुर अयोध्याकाण्ड के प्रथम 50 (1-50) दोहे चौपाईयाँ

बिहारीलाल - 'बिहारी सार्धशती' सम्पादक-ओमप्रकाश राजपाल एण्ड संस कश्मीरी गेट, दिल्ली, प्रथम 50 (50-100) दोहे

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित पाँच कवियों पर लघुत्तरी / अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. घनानन्द
2. भूषण

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- तुलसी काव्य मीमांसा, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली
- तुलसीदास और उनका काव्य, रामनरेश त्रिपाठी, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
- बिहारी काव्य का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
- मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी डॉ. रामसागर त्रिपाठी अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
- हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- रीतिकाव्य, जगदीशगुप्त वसुमति प्रकाशन, इलाहाबाद
- रीतिकालीन कवियों का काव्यशिल्प, महेन्द्रकुमार, आर्यबुक डिपो, दिल्ली

LIST OF HARD CORE ELECTIVE COURSES

Sl. No.	*Course Code*	*Course Title*	*Credits*
1.	HIND 501	प्रयोजन मूलक हिंदी	4 Credits
2.	HIND 502	हिंदी उपन्यास - I	4 Credits
3.	HIND 503	कथाकार प्रेमचन्द – I	4 Credits
4.	HIND 504	अनुवाद विज्ञान – I	4 Credits
5.	HIND 505	भारतीय साहित्य	4 Credits
6.	HIND 506	हिंदी उपन्यास - II	4 Credits
7.	HIND 507	कथाकार प्रेमचन्द – II	4 Credits
8.	HIND 508	अनुवाद विज्ञान – II	4 Credits
9.	HIND 509	हिंदी में दलित साहित्य	4 Credits
10.	HIND 510	मलयालम भाषा और साहित्य	4 Credits
11.	HIND 511	स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य	4 Credits
12.	HIND 512	समकालीन विमर्श	4 Credits
13.	HIND 513	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4 Credits
14.	HIND 514	रचनाकारों का विशेष अध्ययन : भारतेन्दु	4 Credits
15.	HIND 515	रचनाकारों का विशेष अध्ययन : हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	4 Credits
16.	HIND 516	रचनाकारों का विशेष अध्ययन : बालशौरि रेड्डी	4 Credits
18.	HIND 517	रचनाकारों का विशेष अध्ययन : तुलसीदास	4 Credits
20	HIND 518	समकालीन विमर्शों का अध्ययन: पारिस्थितिक विमर्श	4 Credits
21	HIND 519	भाषा शिक्षण	4 Credits
22.	HIND 520	शैली विज्ञान	4 Credits
23.	HIND 521	हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य	4 Credits

4 Credits

हिंदी 501 - प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्य विषय

खण्ड : क कामकाजी हिंदी

- भाषा के विविध रूप, सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी, राष्ट्रभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी, सम्पर्कभाषा हिंदी
- हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग, समस्यायँ और सुझाव
- प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना और उसके विविध आयाम
- कार्यालयी प्रयोग में हिंदी : पत्रालेखन एवं उसके प्रकार, प्रारुपण, टिप्पण, ज्ञापन, अधिसूचना, संक्षेपण, पल्लवन
- पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धान्त
- खण्डःख पत्रकारिता
    1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार
    2. हिंदी पत्रकारीता : उद्भव और विकास
    3. समाचार लेखन कला
    4. सम्पादन कला

2. प्रमुख कानून एवं आचार संहिता

- खण्डःग अनुवादः सिद्धान्त एवं व्यवहार
- अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्रा, प्रक्रिया एवं प्रविधि
- अनुवाद के गुण
- हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिंदी, विजयपाल सिंह, हिंदी बुक सैंटर दिल्ली
- आजीविका साधक हिंदी, पूरनचन्द टण्डन, नमन प्रकाशन दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी, सम्पा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा
- प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी, डॉ कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम (भाग 1 तथा भाग 2) सम्पा. वेदप्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग 1 तथा भाग 2), प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर
- हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप, डॉ. यू.सी.गुप्ता, अमन प्रकाशन, कानपुर
- अनुवाद विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग, जी गोपीनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद कला, डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

4 Credits

हिंदी 502 - हिंदी उपन्यास - I

पाठ्य विषय

खण्ड : क - उपन्यास की परिभाषा और स्वरूप, हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास, हिंदी उपन्यास की प्रमुख शैलियाँ, हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तुशिल्पगत वैशिष्ट्य ।

खण्ड : ख -व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित उपन्यास

1. कर्मभूमि - प्रेमचन्द
2. मृगनयनी - वृन्दावनलाल वर्मा
3. सुनिता – जैनेन्द्र

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित पाँच कवियों पर लघुत्तरी / अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. बाणभट्ट की आत्मकथा (हजारी प्रसाद द्विवेदी) 2. बलचनमा (नागार्जुन)
3. वे दिन (निर्मल वर्मा), 4. आपका बंटी (मन्नू भण्डारी), 5. सूरज का सातवाँ घोड़ा (धर्मवीर भारती)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें ।

- हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी उपन्यास, डॉ.सुरेश सिन्हा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी उपन्यास - डॉ. सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान, डॉ. कमल किशोर गोयनका, सरस्वती प्रेस, दिल्ली
- आधुनिक हिंदी उपन्यास, सम्पा. भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- वृन्दावनलाल वर्मा : उपन्यास और कला, शिवकुमार मिश्र, किताबघर कानपुर
- जैनेन्द्र और उनके उपन्यास - परमानन्द श्री वास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा

4 Credits

हिंदी 503– कथाकार प्रेमचन्द - I

पाठ्य विषय

खण्ड : क

1. प्रेमचन्द का व्यक्तित्व और कृतित्व, प्रेमचन्द का जीवन दर्शन, प्रेमचन्द का हिंदी कथा साहित्य में पदार्पण, प्रेमचन्द के कथा साहित्य का विकास, प्रेमचन्द के साहित्य की विशेषतायँ और उपलब्धियाँ।

खण्ड : ख व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित उपन्यास और कहानियाँ

उपन्यास

1. सेवासदन
2. प्रतिज्ञा

कहानियाँ

1. नमक का दारोगा
2. बड़े घर की बेटी
3. रामलीला
4. आत्माराम
5. ठाकुर का कुआँ
6. दो बैलो की कथा
7. पंचपरमेश्वर
8. परीक्षा

(प्रेमचन्द : प्रतिनिधि कहानियाँ सम्पा. भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- प्रेमचन्द विश्वकोश (भाग 1 तथा भाग 2) कमलकिशोर गोयनका, प्रभात प्रकाशन दिल्ली
- प्रेमचन्द और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान, कमलकिशोर गोयनका, सरस्वती प्रेस दिल्ली
- प्रेमचन्द का कथा संसार, सम्पा. नरेन्द्र मोहन, सरस्वती विहार शाहदरा दिल्ली
- कथाकार प्रेमचन्द, रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
- प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त, नरेन्द्र कोहली, अशोक प्रकाशन दिल्ली
- प्रेमचन्द आज के सन्दर्भ में, गंगाप्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- कलम का सिपाही, अमृतराय, हंस प्रकाशन इलाहाबाद
- प्रेमचन्द : जीवन कला और कृतित्व, हसंराज रहबर, साक्षी प्रकाशन शाहदरा दिल्ली

हिंदी 504 - अनुवाद विज्ञान - I

4 Credits

पाठ्य विषय

- अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमायें
- अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प
- अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ ।
- अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन । अनुवाद- प्रक्रिया के विभिट्टा चरण, स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थांतरण की प्रक्रिया । अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया । अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति ।
- अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार - कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन ।
- व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्न पत्र में दिए गये अंग्रेजी अवतरण का हिंदी अनुवाद)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- अनुवाद विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद सिद्धान्त और समस्यायें सम्पा, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद कला, डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद चिंतन-एल.एन.शर्मा सौमित्रा, विद्या प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली
- अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग, डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद साधना, पूरनचन्द्र टण्डन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

4 Credits

हिंदी 505- भारतीय साहित्य

पाठ्य विषय

खड : क - भारतीय साहित्य का स्वरूप

- भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्यायें
- भारतीय साहित्य में भारतीयता
- भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
- भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र
- हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

खण्ड : ख - एक उपन्यास, एक कविता संग्रह, एक नाटक का अध्ययन मात्रा लघुत्तरी/अति लघुत्तरी प्रश्न हेतु

1. उपन्यास (बंगला)

'जंगल के दावेदार' - महाश्वेता देवी, अनुवादक जगत शंखधर राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज दिल्ली 2

2. काव्य संग्रह (पंजाबी)

'बीच का रास्ता नहीं होता' - पाश राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. नाटक (कन्नड)

'हयवदन' - गिरिश कर्नाड

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य की भूमिका - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास, केंन्द्रय हिंदी निदेशालय, शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय दिल्ली
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रुप दर्शन, गौरीशंकर पंडया, इन्द्रप्रस्थ, कृष्ण नगर दिल्ली
- भारतीय साहित्य सम्पा. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (पंचदश भाग), नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
- भारतीय साहित्य दर्शन, डॉ. कृष्णलाल हंस, ग्रन्थम प्रकाशन, रामबाग कानपुर
- तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
- भारतीय साहित्य की समस्यायें, ई.पी.चेलीशेव, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- भारतीय साहित्य, डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डे, अमन प्रकाशन कानपुर
- भारतीय साहित्य, ब्रजकिशोर प्रसादसिंह, अमन प्रकाशन कानपुर

4 Credits

हिंदी 506 - हिंदी उपन्यास -II

पाठ्य विषय

खण्ड : क - उपन्यास की परिभाषा और स्वरूप, हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास, हिंदी उपन्यास की प्रमुख शैलियाँ, हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तुशिल्पगत वैशिष्ट्य ।

खण्ड : ख व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित उपन्यास

1. झूठा सच (संक्षिप्त) - यशपाल
2. नदी के द्वीप - अज्ञेय
3. मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित पाँच उपन्यासों पर लघुत्तरी / अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे

1. चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा)
2. बूंद और समुद्र (अमृतलाल नागर)
3. अंधेरे बंद कमरे (मोहन राकेश)
4. तमस (भीष्म साहनी)
5. धरती धन न अपना (जगदीशचंद्र)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास के पदचिह्म, सम्पा मनमोहन सहगल, सूर्य प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास, सुरेश सिन्हा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी उपन्यास : पहचान और परख, डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन दिल्ली
- हिंदी उपन्यास - डॉ. सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक हिंदी उपन्यास, सम्पा. भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास समकालीन विमर्श, सत्यदेव त्रिपाठी, अमन प्रकाशन रामबाग, कानपुर
- हिंदी उपन्यास : सृजन और सिद्धान्त, नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यासों में बौद्धिक विमर्श, डॉ. गरिमा श्रीवास्तव, गीता प्रकाशन, हैदराबाद
- फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल - गोपाल राम, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली
- अज्ञेय और उनके उपन्यास, गोपाल राय अनुपम प्रकाशन, पटना

4 Credits

हिंदी 507 - कथाकार प्रेमचन्द्र - II

पाठ्य विषय

खण्ड : क

- प्रेमचन्द का व्यक्तित्व और कृतित्व, प्रेमचन्द का जीवन दर्शन, प्रेमचन्द का हिंदी कथा साहित्य में पदार्पण, प्रेमचन्द के कथा साहित्य का विकास, प्रेमचन्द के साहित्य की विशेषतायें और उपलब्धियाँ।

खण्ड : ख व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित उपन्यास

- उपन्यास
  1. 'गबन'
  2. 'कर्मभूमि'
- कहानियाँ
  1. बड़े भाई साहब 2. नशा 3. ईदगाह 4. पूस की रात 5. सवा सेर गेहूँ
  6. शतरंज के खिलाड़ी 7. सद्गति 8. कफन

(प्रेमचन्द : प्रतिनिधि कहानियाँ सम्पा. भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- प्रेमचन्द विश्वकोश (भाग 1 तथा भाग 2) कमलकिशोर गोयनका, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचन्द और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान, कमलकिशोर गोयनका, सरस्वती प्रेस, दिल्ली
- प्रेमचन्द का कथा संसार, सम्पा. नरेन्द्र मोहन, सरस्वती विहार शाहदरा, दिल्ली
- कथाकार प्रेमचन्द, रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त, नरेन्द्र कोहली, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचन्द आज के सन्दर्भ में, गंगाप्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- कलम का सिपाही, अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रेमचन्द : जीवन कला और कृतित्व, हसंराज रहबर, साक्षी प्रकाशन शाहदरा, दिल्ली

4 Credits

हिंदी 508 - अनुवाद विज्ञान - II

पाठ्य विषय

- अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्यायें, कार्यालयी अनुवाद की समस्यायें, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की समस्यायें, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्यायें, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्यायें, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्यायें, विज्ञापन के अनुवाद की समस्यायें
- अनुवाद के उपकरण : कोश पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर ।
- अनुवाद : परीक्षण, संपादन, मूल्यांकन
- मशीनी अनुवाद
- अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य
- अनुवादक के गुण
- पाठ की अवधारणा और प्रकृति : पाठ-शब्द प्रति शब्द, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद
- व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्न पत्र में दिए गये अंग्रेजी अवतरण का हिंदी अनुवाद)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

- अनुवाद विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन दिल्ली
- अनुवाद सिद्धान्त और समस्यायें सम्पा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद निरूपण, भारती गोरे, विकास प्रकाशन, कानपुर
- अनुवाद साधना, पूरनचन्द्र टण्डन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद की समस्यायें सम्पा. जी. गोपीनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- अनुवाद कला, डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- अनुवाद चिंतन-एल.एन.शर्मा सौमित्रा, विद्या प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली

4 Credits

हिंदी 509 - हिंदी में दलित साहित्य

इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को दलित साहित्य क्या है इससे अवगत करवाना है। दलित साहित्य का स्वरूप, साहित्य के विविध रूपों में दलित साहित्य की झलकियां, दलित जीवन संघर्ष, उनकी समस्याएं आदि से विद्याथियों को अवगत करवाना है। दलित साहित्य का क्रमशः विकास, दलित साहित्य का सृजन करने वाले दलित और गैर दलित साहित्यकारों से परिचय करवाना। निर्धारित कृतियों के अध्ययन से दलित साहित्य को नजदीकी से देखना, परखना और उस पर विचार करना आदि इसके उद्देश्य हैं।

भाग-1

1. दलित साहित्य: दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, और परिभाषा
2. दलित आंदोलन के प्रमुख हस्ताक्षर: महात्मा ज्योतिबा फूले, अच्युतानंद, भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी आदि

भाग-2

विस्तृत अध्ययन के लिए

1. उपन्यास- छप्पर- जय प्रकाश कर्दम
2. आत्मकथा- जूठन-ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन प्र्रा. लि. नई दिल्ली
3. कहानी- 1. सिलिया- सुशीला टाकभौरे
   2. अपना गांव- मोहनदास नैमिशराय

द्रूत पाठ-

लेखक का जीवन परिचय

1.बिहारी लाल 2. कंवल भारती 3. रमणिका गुप्ता 4. सूरजपाल चैहान

संदर्भ ग्रंथ

1. दलित साहित्य दशा और दिशा- माता प्रसाद, भारतीय दलित साहित्य अकादमी
2. दलित चिंतन- अनुभव और विचार- डॉ. एन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी का दलित आत्मकथा साहित्य-डॉ. संजल भुवनेश्वर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र-ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन प्र्रा. लि. नई दिल्ली
5. जूठन-ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन प्र्रा. लि. नई दिल्ली
6. छप्पर- जय प्रकाश कर्दम, राधाकृष्ण प्रकाशन प्र्रा. लि. नई दिल्ली

4 Credits

हिंदी 510 - मलयालम भाषा और साहित्य

इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को मलयालम भाषा और साहित्य के इतिहास से अवगत करवाना है। साथ साथ मलयालम भाषा की विविध विधाओं की जानकारी देना। हिंदी और मलयालम साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन से अवगत करना है।

भाग-1

1. मलयालम भाषा का संक्षिप्त परिचय: उद्भव और विकास
2. मलयालम साहित्य की प्रमुख विधाएं

भाग-2

विस्तृत अध्ययन के लिए

इकाई 1 उपन्यास- मञ्जु - एम.टी. वासुदेवन नायर

इकाई 2 कहानी- अशवती- सी.वी. श्रीरामन

गौरी- टी. पद्मनाभन

इकाई 3 नाटक- कन्यका - एन. कृष्ण पिल्लै

इकाई 4 कविता- स्वयंवरम- ओ. एन. वी. कुरुप्प

द्रूत पाठ के लिए

उपन्यास- अरण्यशिकरणम, पारापुरथ

सहायक ग्रंथ

1.मलयालम साहित्य का इतिहास- परमेश्वर नायर

2 मलयालम भाषा, साहित्य और संस्कार, के. वनजा, 2014, नेशनल बुक टस्ट

3. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ.. नगेन्द्र

4.मलयालम उपन्यास साहित्य चरित्रं-के.एम. तरकस

5.मलयालम कविता साहित्य चरित्रं- डॉ.. एम लीलावती

6.नाटक रूप चर्चा- काट्टूमाटे नारायणन

4 Credits

हिंदी 511- स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य

इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थीयों को स्त्री विमर्श, स्त्री अस्मिता और स्वतंत्रता से अवगत कराना है। हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श के विभिन्न आयाम देखने का मिलते हैं, स्त्री विमर्श की सैद्धांतिकी से विद्यार्थियों को अवगत करवाना है। समाज में स्त्री अस्मिता और जेंडर की समानता को समझाना है। स्त्री अस्मिता और साहित्य की आलोचना की समझ तथा स्त्री अस्मिता का विशेषणात्मक ज्ञान से अवगत करना है। स्त्रीवादी साहित्य के विभिन्न पहलूओं और आयामों से भी अवगत कराना है।

इकाई -1

- स्त्री का इतिहास, स्त्री विमर्श की अवधारणाएं एवं स्वरूप
- स्त्रीवादी चिंतकों की अवधारणाएं (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ में)
- समकालीन स्त्री विमर्श
- हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श से संबंधित रचनाकार और रचनाएं।

इकाई- 2 अध्ययन और विश्लेषण के लिए

- गद्य -आत्मकथा- दोहरा अभिशाप- कौशल्या बैसंत्री
- उपन्यास - 'छिन्नमस्ता' - प्रभा खेतान
- कहानियां - 'अकेली'- मन्नू भंडारी
- संघर्ष- सुशिला टाकभौर

कविता -1. अनामिका - बेजगह, स्त्रियां, दूब धान, खुरदुरी हथेलियां

2. सविता सिंह -दुःख का साथ, मैं किसकी औरत हूं, न होने की कल्पना
3. कात्यायनी- गार्गी, प्रार्थना, सात भाइयों के बीच चंपा

द्रुत पाठ के लिए

- नाटक- अंत हाजिर हो-मीराकांत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1 स्त्री उपेक्षिता- प्रभा खेतान, हिंदी पाकेट बुक्स, नई दिल्ली
2 स्त्री, परंपरा और आधुनिकता, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, आवृत्ति संस्करण-2010
3 नारीवाद के विविध परिप्रेक्ष्य, गीता चावड़ा, अनुवाद राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण 2011
4 स्त्री-अधिकारों का औचित्य-साधन, अनुवाद- मीनाक्षी, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., पहला आवृत्ति 2009
5 स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका,
6 चिंतन की चुनौतियां, रेखा कास्तवार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7 बाजार के बीच बाजार के खिलाफ- प्रभा खेतान,
8 स्त्री विमर्श की उत्तरगाथा- अनामिका
9 परिधि पर स्त्री- मृणाल पाण्डे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10 स्त्री कविता पक्ष और परिपे्रक्ष्य- रेखा सेठी
11 मीडिया, समकालीन सांस्कृतिक विमर्श- सुधीश पचैरी।

4 Credits

हिंदी 512- समकालीन विमर्श

इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थीयों को समकालीन साहित्यक विमर्श से अवगत करना है। स्त्रीविमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, पारिस्थितकी विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, सायबर विमर्श और अन्य विमर्शों का परिचय देते हुए उनसे संबंधित कुछ रचनाओं को पढ़ाना और इन विषयों को समझना है ताकि विद्यार्थी समकालीन समय और साहित्य विमर्शों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके।

1. **स्त्री विमर्श का परिचय और साहित्यिक परिचय**
   - स्त्री विमर्श का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
   - स्मकालीन हिंदी साहित्य में प्रमुख स्त्रीवादी रचनाकारों और उनके साहित्य का परिचय
2. **दलित विमर्श का परिचय और साहित्यिक परिचय**
   - दलित विमर्श का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
   - समकालीन हिंदी साहित्य में प्रमुख दलित रचनाकारों और उनके साहित्य का परिचय
3. **आदिवासी विमर्श का परिचय और साहित्यिक परिचय**
   - आदिवासी विमर्श का अर्थ, स्वरूप और अवधारणा
   - समकालीन हिंदी साहित्य में प्रमुख आदिवासी रचनाकारों और उनके साहित्य का परिचय
4. **पारिस्थितकी विमर्श का परिचय और साहित्यिक परिचय**
   - पारिस्थितकी विमर्श का अर्थ, स्वरूप और अवधारणा
   - समकालीन हिंदी साहित्य में प्रमुख पारिस्थितकी रचनाकारों और उनके साहित्य का परिचय
5. **अन्य विमर्श का परिचय और साहित्यिक परिचय**
   - अल्पसंख्यक विमर्श का परिचय, अर्थ और उसका साहित्य
   - वृद्ध विमर्श का परिचय, अर्थ और उसका साहित्य
   - किन्नर (थर्ड जेंडर) विमर्श का परिचय, अर्थ और उसका साहित्य
   - सायबर विमर्श विमर्श का परिचय, अर्थ और उसका साहित्य

दूरत पाठ के लिए

1 दलित विमर्श- सुशिला टाकभौरे की कविता 1. घर की चैखट से बाहर, 2. नमूना 3. स्त्री

2. आदिवासी विमर्श- निर्मला पुतुल की स्त्रीवादी कविता

   1. अपने घर की तलाश 2. क्या हूं मैं तुम्हारे लिए 3 उतनी दूर मत ब्याहना बाबा।

3. पारिस्थितकी विमर्श- राजेश जोशी- कपिल का पेड़

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1. स्त्री उपेक्षिता- प्रभा खेतान, हिंदी पाकेट बुक्स, नई दिल्ली
2.स्त्री, परंपरा और आधुनिकता, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, आवृत्ति संस्करण-2010
3.नारीवाद के विविध परिप्रेक्ष्य, गीता चावड़ा, अनुवाद राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, संस्करण -11
4. स्त्री-अधिकारों का औचित्य-साधन, अनुवाद- मीनाक्षी, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., पहला आवृत्ति 2009
5. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी- संपादक रमणिका गुप्ता
6. आदिवासी साहित्य विमर्श - डॉ.. मोहन चव्हान
7. वचिक परंपरा और साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी दलित साहित्य का विकास, संपादक डॉ.. प्रमाद कोवप्रत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. दलित चिंतन का विकास, डॉ.. धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. दलित दृष्टि , गेल ओमवेट, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. दलित दर्शन की वैचारिकी, बी. आर. विप्लवी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. दलित साहित्य दशा और दिशा- माता प्रसाद, भारतीय दलित साहित्य अकादमी
14. दलित चिंतन- अनुभव और विचार- डॉ. एन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. हिंदी का दलित आत्मकथा साहित्य-डॉ. संजल भुवनेश्वर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र-ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन प्र्रा. लि. नई दिल्ली
17. साहित्य का पारिस्थिति दर्शन, के. वनजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. साहित्य में किन्नर विमर्श डॉ.. दिलीप मेहरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. समलैंगिक विमर्श
20. किन्नर विमर्श साहित्य और समाज, स

4 Credits

हिंदी 513 - हिंदी साहित्य और सिनेमा

इस प्रश्न प्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थीयों को हिंदी साहित्य और सिनेमा से परिचित कराना और उन्हें इस विषय के अध्ययन के लिए प्रेरित करना है। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की कृतियों पर फिल्मांकन हुए फिल्म को समझने और फिल्म के साथ साहित्य के सौन्दर्यशास्त्र से अवगत कराया जाएगा। साथ ही साथ आधुनिक समय में दृश्य और श्रव्य माध्यमों के द्वारा उपयोग में लाए जा रहे विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सिनेमा और हिंदी साहित्य के विभिन्न पहलूओं और आयामों से अवगत कराना है।

1. सिनेमा: स्वरूप और विकास
2. सिनेमा और समाज: विविध आयाम
    - मूक सिनेमा
    - लोकप्रिय सिनेमा
    - सामानांतर सिनेमा
3. साहित्य और सिनेमा का अंतः संबंध
    - सिनेमा का सौन्दर्यशास्त्र
    - सिनेमा में साहित्य: कथा, पटकथा, गीत-संगीत और संवाद

4.हिंदी सिनेमा और हिंदी साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्में- तीसरी कसम, सूरज का सातवां घोड़ा, मोहनदास
5.दूरदर्शन और साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्म - नीम का पेड़, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूं,
6. एनिमेशन और डिजिटल सिनेमा-लोक कथाओं और महाकाव्यों पर आधारित लघु फिल्में और एनिमेशन के तरीके
7.साहित्य, सिनेमा और समाज: वर्तमान और चुनौतियां

दूरत पाठ

1. फिल्म- सारा आकाश, 1969, निर्देशक - बासु चटर्जी ('सारा आकाश' लेखक राजेन्द्र यादव)
2. फिल्म- गबन, 1966, निर्देशक -ऋषिकेश मुखर्जी ('गबन' लेखक प्रेमचंद)

सहायक ग्रंथ

- ब्पदमउं ब्वदबमचज ंदक च्तंबजपबमए म्कूंतक क्ुउपजतलए थ्वबंस चतमेेए ठवेजवद स्वदकवदए 1988
- ब्पदमउं ंदक बनसजनतंस प्कमदजपजल;त्मसिमबजपवदे वद पिसउे तिवउ श्रंचंदए प्दकपं ंदक ब्ीपदंद्ध ए म्कपजमक इल ॅपउंस क्पेेंदंलंामए न्दपअमतेपजल चतमेे व ि।उमतपबंए छमू ल्वताए स्वदकवदए 1988
- म्दबलबसवचंमकपं व िप्दकपंद ब्पदमउंए ळववितक न्दपअमतेपजल च्तमेेए ॅंसजवद ैजतममजए ळववितकए छमू ल्वता
- वभ्वू जव तमंक ं थ्पसउ रू डवदंबवए रमउमेए ळववितक न्दपअमतेपजल चतमेेए दमू ल्वता
- वप्दकपंद थ्पसउरू ठंतदंूए म्मए ळववितक च्तमककए छमू ल्वता
- वभारतीय चलचित्र का इतिहास: फिरोज रंगूनवाला, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- वअनुपम ओझा, भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- विजय अग्रवाल, सिनेमा की संवेदना, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली
- जवरीमल्ल पारख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, दरियागंज, नई दिल्ली, संस्करण 2001,
- जवरीमल्ल पारख, हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2006,
- जवरीमल्ल पारख, साझा संस्कृति, सांप्रदायिक आतंकवाद और हिंदी सिनेमा, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, संस्करण-2011
- राही मासूम रज़ा, सिनेमा और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, संस्करण-2011
- विनोद भारद्वाज, सिनेमा कल,आज,कल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, आवृत्ति संस्करण-2012
- सुरेन्द्र नाथ तिवारी, भारतीय नया सिनेमा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 29 ए, पाकेट डी, अशोक विहार, दिल्ली 110052, प्रथम संस्करण-1996,
- उपन्यास - गबन, चित्रलेखा, साराआकाश, सूरज का सातवां घोड़ा, मोहनदास
- कहानी - नीम का पेड़, कब तक पुकारूं, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूं,

4 Credits Course

हिंदी 514– रचनाकारों का विशेष अध्ययन : भारतेन्दु हरिश्चंद्र

I. भारतेन्दु हरिश्चंद्र

प्रस्तावना – भारतेन्दु हरिश्चंन्द्र हिंदी साहित्य में आधुनिकता के प्रवर्तक माने जाते हैं । हिंदी की रचनाशीलता को मध्यकालीनता से निकलकर आधुनिकता का नया संस्कार दिया । भारतेन्दु हरिश्चंन्द्र ने साहित्य सृजन, संम्पादन, नाटक और निबन्ध लेखन द्वारा हिंदी भाषा का साहित्य के क्षेत्र में नवजागरण की चेतना को स्थापित किया । चिन्तन और सृजन के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान का अध्ययन ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

- काव्य - प्रबोधिनि, बकरी – विलाप
- नाटक - भारत दुर्दशा, अन्धेरी नगरी , चौपट राजा
- निबन्ध – भारत वर्ष की उन्नत्ति कैसे हो सकती है ?
- अवधारणाएँ और विचारधाराएँ
- मध्यकालीनता और आधुनिकता
- परंम्परा और नवीनता
- नवजागरण
- देश भक्ति और राज भक्ति – भारतेन्दु और उनके पत्र

सहायक ग्रन्थ -

1 भारतेन्दु – रामविलास शर्मा

2 भारतेन्दु – हरिश्चंन्द्र – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

3 भारतेन्दु का नाट्य साहित्य - वीरेन्द्र शुक्ल

4 भारतेन्दु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता : रमेश गौतम

5 भारतेन्दु युगीन नाट्य साहित्य – भानुदेव शुक्ल

6 भारतेन्दु युगीन नाटक – सुशीला धीर

7 भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा – रामविलास शर्मा

8 भारतेन्दु हरिशचंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा

4 Credits Course

हिंदी 515– रचनाकारों का विशेष अध्ययन : हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्रस्तावना – हजारी प्रसाद द्विवेदी हिंदी के शीर्ष स्थानीय साहित्यकार-आलोचक - शोधकर्ता हैं । हिंदी साहित्य की दूसरी परम्परा के पुरोधा इस व्यक्तित्व में शुक्लजी की प्रिय कसौटी विरूध्दों का सामंजस्य प्रत्यक्ष नजर आता है। आपके बहुआयामी कृतित्व का परिचय कराना ही इस खण्ड का का लक्ष्य है।

आलोचक द्विवेदी : द्विवेदी की दूसरी परम्परा, कबीर विषयक दृष्टि, लोक की अवधारणा व परम्परा की परिभाषा स्त्री विषयक नजरिया इत्यादि।

उपन्यासकार द्विवेदी – अनामदास का पोथा एवं आम फिर बौरा गये

संदर्भ ग्रंन्थ सूची –

1 हजारी प्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह – लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह – लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4 आलोचना का हजारी प्रसाद द्विवेदी विशेषांक

5 हिंदी आलोचना : बीसवीं सदी – डॉ. निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4 Credits Course

हिंदी 516– रचनाकारों का विशेष अध्ययन : बालशौरि रेड्डी

प्रस्तावना –हिंदीतर भाषा के हिंदी उपन्यासकार के रूप में बालशौरि रेड्डी जी के उपन्यास चर्चित हैं। कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हैं। एक रचनाकार के रूप में रेड्डी के व्यक्तित्व व कृतित्व के समग्र परिचय व अध्ययन की दृष्टि से यह पाठ्यक्रम निर्मित है।

- बालशौरि रेड्डी का बचपन, शिक्षा व आरंभिक जीवन
- बालशौरि रेड्डी का आरंभिक लेखकीय जीवन
- बालशौरि रेड्डी का व्यक्तित्व व कृतित्व
- बालशौरि रेड्डी का औपन्यासिक कृतित्व
- बालशौरि रेड्डी की कहानियाँ
- बालशौरि रेड्डी का अन्य साहित्यिक विधाओं के लिए योगदान

उपयोगी पुस्तकें

- बालशौरि रेड्डी का समग्र साहित्य (4 खंड)
- बालशौरि रेड्डी का औपन्यासिक कृतित्व – डॉ. रवींद्र कुमार जैन
- बालशौरि रेड्डी और उनका साहित्य - डॉ. मल्लेशम जी.
- अपने-अपने बालशौरि – सं. राधाचरण विद्यार्थी

Course designed by : Dr. C. Jaya Sankar Babu, Assistant Professor, Pondicherry University

4 Credits Course

हिंदी 517– रचनाकारों का विशेष अध्ययन : तुलसीदास / TULASIDAS

प्रस्तावना –हिंदी साहित्य के 'स्वर्ण युग' के रूप में समालोचित युग के प्रवर्तक कवियों में रामभक्ति शाखा के कवि के रूप में गोस्वामी तुलसीदास अग्रगण्य हैं। उन्होंने अपनी अमर कृति 'रामचरित मानस' के माध्यम से अपने समय के समाज में विराट समन्वय की लोकमंगलकारी भूमिका निभाई थी। हिंदी साहित्य के मध्य युग के एक विशिष्ट रचनाकार के रूप में तुलसीदास के वैचारिक चिंतन की प्रासंगिकता के आलोक में उनके व्यक्तित्व व कृतित्व एवं दार्शनिक पक्ष के गहन अध्ययन की दृष्टि छात्रों में विकसित करने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम बनाया गया है।

• तुलसीदास : रचनाकार व्यक्तित्व
• प्रमुख रचनाएं – रामचरित मानस, विनय पत्रिका, कवितावली, दोहावली, गीतावली
• तुलसीदास का भावपक्ष

सामंतवादी विरोधी मूल्य	मानवीय सहानुभूति
समन्वय भावना	दर्शनिक विचार
भक्ति पद्धति	अभिव्यंजना शिल्प
काव्य शैलियाँ	

उपयोगी पुस्तके

- गोस्वामी तुलसीदास की सभी रचनाएँ
- शुक्ल रामचंद्र – गोस्वामी तुलसीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- राम नरेश त्रिपाठी – तुलसीदास और उनका काव्य, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – मध्यकालमीन हिंदी काव्य भाषा, लोक भारती, इलाहबाद
- राम विलास शर्मा – परंपरा मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4 Credits Course

हिंदी 518 - समकालीन विमर्शों का अध्ययन : पारिस्थितिक विमर्श

पर्यावरण के समक्ष आज कई खतरों के आलोक में पारिस्थितिक विमर्श की ओर वैज्ञानिकों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों के विद्वानों का भी ध्यान आकर्षित हो रहा है। साहित्य भी इससे अछूता नहीं है। अंग्रेजी साहित्य में पारिस्थितिक विमर्श का गंभीर अध्ययन शुरू हो चुका है। हिंदी साहित्य में पारिस्थितिक चेतना का अध्ययन और अनुसंधान में रुचि पैदा करने के लिए यह पाठ्क्रम तैयार किया गया है जिसमें पारिस्थितिक विमर्श का सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन और साहित्य का विश्लेषण शामिल है।

- पारिस्थितिकी की अवधारणा एवं विविध विद्वानों के विचार
- पारिस्थितिक मार्क्सवाद
- पारिस्थितक स्त्रीवाद
- तकनीकी आशावाद एवं पारिस्थितिक निराशावाद
- हिंदी साहित्य (विविध विधाओं) में पारिस्थितिकी संबंधी संवेदनाएँ एवं समस्याएँ
- **(कविताएँ** - बाबा उतनी दूर नहीं ब्याहना – निर्मला पुतुल, खेती नहीं करनेवाला किसान – निलय उपाध्याय, किसान की आत्म हत्या भी मृत्यु है – उमा शंकर चौधरी, अनाज पकने का समय – नीलोत्पल, नदि और साबून - ज्ञानेंद्र पति, लालटेन, पिता – जितेंद्र श्रीवास्तव
- **उपन्यास** - धार (उपन्यास) – संजीव, डूब – वीरेंद्र जैन,
- **कहानियाँ** – आरोहण – संजीव, जंगल गाथा – नमिता सिंह, शहर मर गया – लीन महेंदले, इन्ने मरियम – नासिरा शर्मा)

उपयोगी पुस्तकें –

- धरती की पुकार – सुंदरलाल बहुगुणा
- पर्यावरण दशा और दिशा – गिरिराजशरण अग्रवाल, मीना अग्रवाल
- आधुनिक जीवन और पर्यावरण – दामोदर शर्मा व हरिश्चंद्र व्यास
- ग्लोबल वार्मिंग, तप रही धरती – बढ़ रहे खतरे – योगेश्वर पुरी
- भौगोलिक चिंतन का विकास एवं समीक्षा – दीक्षित
- साहित्य का पारिस्थितिक दर्शन - के.वनजा
- पर्यावरण अध्ययन – दयाशंकर त्रिपाठी
- (निर्धारित रचनाएँ रचनाकारों के संबंधित संकलनों से)

4 Credits Course

हिंदी 519 - भाषा शिक्षण

भूमिका

एक साहित्य के विद्यार्थी को प्राय: कोई न कोई नयी भाषा सीखनी पडती है। अन्य अनुशासनों के विद्यार्थियों को भी विभिन्न कार्यों से अपरिचित भाषा को सीखना होता है। अत:यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर निर्धारित किया गया है। इसमें भाषा शिक्षण के सैध्दातिंक और प्रायोगिक पक्षों पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

1 भाषा शिक्षण : स्वरूप और प्रयोजन

सैध्दांतिक और अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान

भाषा शिक्षण के प्रयोजन :सामाजिक राष्ट्रीय शैक्षिक

मातृभाषा अन्यभाषा और विदेशी भाषा

2 भाषा कौशल

कौशल की परिभाषा और प्रकार : सुनना,बोलना,पढ़ना, लिखना,

कौशल विकास की सामग्री

3 व्यतिरेकी भाषा विज्ञान और भाषा शिक्षण

क.व्यतिरेकी भाषा विज्ञान: संकल्पना और व्यतिरेकी विश्लेषण के विभिन्न स्तर(ध्वनि, लेखन , शब्द वाक्य, अर्थ और संस्कृति)

ख. व्यतिरेकी विश्लेषण की तकनीक

ग. त्रुटि विश्लेषण और अशुध्दि विश्लेषण

4. भाषा अधिगम और भाषा अर्जन एवं भाषा शिक्षण में भाषा अधिगम की उपयोगिता

5. भाषा परीक्षण और मूल्याकंन

क. परीक्षण और मूल्याकंन के गुण

ख. परीक्षण और मूल्याकंन के पध्दति।

6. हिंदी भाषा शिक्षण

क मातृभाषा के रूप में , द्वितीय भाषा के रूप में अन्य भाषा के रूप में

ख हिंदी उच्चारण व्याकरण व लिपि का शिक्षण

7. भाषा शिक्षण - पध्दतियाँ

क शिक्षण विधियां – प्रत्यक्ष विधि व्याकरण एवं अनुवाद विधि मौखिक वार्तालाप विधि sugestopaedic system

ख विभिन्न पध्दतियों का सापेक्षिक महत्व

8. भाषा प्रयोगशाला : प्रकार व तकनीक उपकरण

सहायक ग्रंथ -

1. हिंदी संरचना का शैक्षिक स्वरूप - श्री राजकमल पांडेय
2. हिंदी संरचना और भाषा विश्लेषण – डॉ. वजयराघव रेड्डी
3. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष – सं अमर बहादूर सिंह
4. हिंदी शिक्षण – अंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – सतीश कुमार तोहरा
5. भाषा शिक्षण और भाषा विज्ञान सं – ब्रजेश्वर शर्मा
6. हिंदी साहित्य का अध्ययन नागपा
7. भाषा शिक्षण – डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

4 Credits Course

हिंदी 520- शैली विज्ञान

भूमिका

हर विधा और हर लेखक की अपनी विशिष्ट लेखन शैली होती है। आधुनिक शैलीविज्ञान का विकास यद्यपि पश्चिम में हुआ लेकिन भारतीय काव्यशास्त्र में भी रीति सिध्दांन्त के रूप में इसकी झलक देखी जा सकती है। हिंदी में डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव ने इस क्षेत्र में अच्छा प्रयास किया है। इस प्रश्नपत्र के द्वारा साहित्य के कलापक्ष के अध्ययन की दिशा में विद्यार्थी आगे बढ़ सकेगा।

इकाई -1

- प्रयोग की दृष्टि से भाषा के रूप :बोलचाल की भाषा मानक भाषा और भाषा का साहित्यिक प्रयोग
- शैली की अवधारणा भारतीय और पाश्चात्य : शैली विज्ञान स्वरूप और क्षेत्र

इकाई -2

- शैलीविज्ञान का अन्य विषयों से सबन्ध

  क) शैली विज्ञान और बारतीय काव्यशास्त्र

  ख) शैलीविज्ञान और सौन्दर्यशास्त्र

  ग) शैलीविज्ञान और समाजशास्त्र
- शैलीविज्ञान अध्ययन के विविध रूप
- भाषावैज्ञानिक ख. सरचनांत्मक ग. साहित्यिक

इकाई -3

- शैली विज्ञान की कुछ प्रायोगिक संकल्पनाएँ
- संरचना और बुनावट गद्यात्मक शक्ति विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी
- सम्बन्ध कोड और संदेश संशक्ति प्रोक्ति और पाठ

इकाई -4

- काव्य का अध्ययन विचलन (शब्द और अर्थ के स्तर पर) अग्रगामिता व समानांतरता
- गद्य विधाओं का शैली विज्ञान अध्ययन

सहायक ग्रन्थ

- शैलीविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
- शैलीविज्ञान : डॉ. नगेन्द्र

शैलीविज्ञान की आलोचना की नई भूमिका : शैलीविज्ञान

4 Credits Course

हिंदी 521 हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य
अनुशीलन एवं विवेचन खंड

इकाई 1. - हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य

1. उत्तर भारत के हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य
2. पश्चिम भारत के हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य
3. पूर्वी भारत के हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी भाषा एवं साहित्य
4. पूर्वोत्तर भारत में हिंदी भाषा एवं साहित्य
5. दक्षिण भारत में हिंदी

इकाई-2 - हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय

6. 18 वीं सदी तक का हिंदी साहित्य
7. 19 वीं सदी का हिंदी साहित्य
8. 20 वीं सदी का साहित्य

इकाई-3 - हिंदी साहित्य को दक्षिण भारत की देन

9. हिंदी साहित्य को तमिलनाडु की देन
10. हिंदी साहित्य को केरल की देन
11. हिंदी साहित्य को आंध्र प्रदेश व तेलंगाना की देन
12. हिंदी साहित्य को कर्नाटक की देन

साहित्य खंड

इकाई-4 – दक्षिण भारतीय लेखकों के हिंदी साहित्य का अध्ययन –काव्य एवं नाटक विधाएँ

13. काव्य –विधा
14. प्राचीन कविताएँ -

    स्वाति तिरुनाल के पद (5 पद)

15. आधुनिक कविताएँ

अमरबापू -	पी. नारायण
सुनामी -	कौसल्या अम्माल
मज़दूर -	सी.अर. राजश्री
भुकंप -	के.जे. हैलेन
संकाति -	पी.जी. वैंकटगिरि गिरीश
फुल की रंगोली -	कानायी कुञ्ज्ञीरामन
तुम उदास हुई -	सुमतीद्र
गुलनार -	एम. दामोदर कुरूप
वंदें मातरम -	आलुरी वैरागी

16. नाटक – विधा देवयानी - एन. चंद्रशेखरन नायर
17. एकांकी – विधा बादलों की ओट में - रुक्माजी राव 'अमर'

इकाई-5 - दक्षिण भारतीय लेखकों के हिंदी साहित् का अध्ययनः कहानी एवं अन्य विधाएँ

18. उपन्यास –विधा -प्रकाश और परछाई - बालशौरि रेड्डी
19. कहानी –विधा - चाँदी का जूता - बालशौरि रेड्डी
    महाबलिपुरम - आरिगपूडी रमेश चौधरी
    काट के काफ़न - एन. चंद्रशेखरन नायर
20. व्यंग्य –विधा - थानेदार के कारनामे - रुक्माजी राव 'अमर' परिशिष्ट (रचना एवं रचना परिचय)

सहायक ग्रंथ

• डॉ. सी. जय शंकर बाबु, हिंदीतर प्रदेश : हिंदी भाषा एवं साहित्य, दूरस्थ शिक्षा निदेशाल, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी, (2015)
• रवींद्रकुमार जैन, 'बालशौरिरेड्डी का औपन्यासिक कृतित्व' (1991), साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
• विश्वनाथ अय्यर एन.ई., केरल में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास (1996), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
• चंद्रशेखरन नायर एन., केरल के हिंदी साहित्य का बृहद् इतिहास (2005), केरल हिंदी साहित्य अकादमी, तिरुवनंतपुरम
• विश्रांत वसिष्ठ (सं.), तमिळनाडु की समकालीन हिंदी कविता (1998), रघुवीर प्रकाशन, एलम (उ.प्र.)
• यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद, हिंदी कविता को आंध्रों की देन (1985), मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद
• अनिता, आरिगपूड़ि व्यक्ति और रचनाकार (2008), मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद
• आदेश्वर राव पी., दक्षिण भारतीय हिंदी साहित्य का इतिहास (2012), अमन प्रकाशन, कानपुर
• रमेश चंद्र शर्मा (सं.), भारत के हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी 2007, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

Course designed by : Dr. C. Jaya Sankar Babu, Assistant Professor, Pondicherry University